

Bio-data
Dadi Hridaya Mohini
Addl. Chief of Brahma Kumaris

A name with meaning

Her name means *the one who attracts your heart*. Dadi Hirdaya Mohini, affectionately known as Dadi Gulzar, is presently a Member of the Managing Committee of the Brahma Kumaris World Spiritual University, Raja Yoga Education and Research Foundation and World Renewal Spiritual Trust.

Responsibilities

She is an original member of the committee of women that administers the Brahma Kumaris World Spiritual University and was President of the Steering Committee for the Health Awareness in India aimed at making health of mind and body accessible to all people . She is also the Director of all centres in New Delhi and adjoining area.

How to all began

Dadi commenced her training as a yogi in 1937 at the age of eight. Having undergone all aspects of training from such early beginnings, she is now recognised as a great yogini, much sought after for enlightenment on attaining mental concentration, peace of mind, stability in meditation, emotional control, etc. She is committed to living and teaching the values and the elevated spiritual principles which come from the ancient teachings of Raja Yoga. In the midst of what has been dubbed the 'Nervous Nineties', her message of the heart/mend connection has never been more timely.

What she has done

Dadi has visited many foreign countries including the Far East and Australasia on invitation and has delivered lectures, with mastery over subjects connected with day-to-day life. She has clarity of thought and rich experience and simplicity of style. She has also been organizer of many international and national level conferences, fairs, exhibitions, campaigns, etc. and speaks fluently on any subject of spiritual interest.

हृदयमोहिनी दादीजी का संक्षिप्त परिचय

इस अलौकिक ब्राह्मण परिवार के बीच पारलौकिक शमा को बांधकर अलौकिक महफिल का गुल खिलाने वाली हम सबकी प्यारी गुलजार दादीजी को भला कौन नहीं जानता होगा। आपकी गभिरता एवं अन्तर्मुखता के साथ-साथ आपकी मधुर मुस्कान की माधुर्यता हमें बेहद में ले जाने की राह दिखा जाती है। आपकी सबसे बड़ी विशेषता - **Innocency**, जो पवित्रता एवं सरलता का शुद्ध मिश्रित गुण है - जिसके आधार पर ही स्वयं बापदादा ने आपको अपना रथ बनाना स्वीकार किया। आपसे तो हमें सदा बापदादा की ही भासना आती है।

हम सभी को तीन बाप तो है ही परन्तु क्या आप सभी जानते हैं की दादीजी को उन तीनों बाप द्वारा तीन नाम भी प्राप्त है, जी हाँ। उनका प्रायः लोप लौकिक नाम 'शोभा' है, अलौकिक बाबा-ब्रह्माबाबा का दिया हुआ प्यारा नाम है - 'गुलजार' एवं पारलौकिक बाबा-शिवबाबा का दिया हुआ नाम है 'हृदयमोहिनी'। 9 वर्ष की आयु में ही आप सिन्ध हैदराबाद में अपनी लौकिक माताजी के साथ ज्ञान में आईं एवं इस बेहद यज्ञ की स्थापना के कार्य में आप बापदादा के मददगार बन गईं। प्रारम्भ से ही आपका संदेशी का पार्ट चला आ रहा है।

भारत में आपने सर्वप्रथम लखनऊ में सेवारत रहे एवं वर्तमान समय आप विगत कई वर्षों से दिल्ली जोन की संचालिका हैं एवं इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की आप सह-मुख्य प्रशासिका हैं। साथ ही साथ **Rajyoga Education & Research Foundation** के अन्तर्गत **Business & Industrialists wing** एवं **Cultural Wing** की आप **Chairperson** भी हैं। समय प्रति समय आपने न केवल सम्पूर्ण भारत अपितु विश्व के पाँचों खण्डों में आपने अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं एवं करती रहती हैं। आपके दिव्य नैन आत्मा को नजर से निहाल कर देती हैं।